'SUNKUL- मार्ग दर्शन'

नि:शुल्क टेस्ट सीरीज

हिन्दी साहित्य का इतिहास- आदिकाल

TEST-01

01. 'इस्तवार द् ला लीतेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी से संबंधित अंसगत कथन है?

(अ)इसके रचनाकार फ्रेंच विद्वान गार्सा-द-तासी है।
(ब)यह मूलत: अंग्रेजी भाषा में है।
(स)हिन्दी एवं उर्दू के कवियों का वर्णन वर्णक्रमानुसार है।
(द)यह दो भागों में क्रमश: 1839 व 1847 में प्रकाशित हुआ। (ब)

विशेष :-

- इस्तवार- इतिहास, लितरेत्युर-साहित्य
  एन्दुई- हिन्दुई (हिन्दी), ऐन्दुस्तानी- हिन्दूस्तानी
- जॉसफ हेलिडोर गार्सा-द-तासी
- प्रकाशन- द आरियंटल ट्रांसलेसन कमेटी, आयरलैण्ड द्वारा पेरिस में।
- प्रो० नालिन विलोचन शर्मा- ''हिन्दी साहित्य के पहले इतिहास लेखक 'गार्सा-द-तासी' थे, यह निर्विवाद है।''
- ग्रंथ में प्रथम कवि का नाम 'अंगद' तथा अंतिम कवि का नाम 'हेमन्त' बताया गया है।
- यह मूलत: फ्रेंच भाषा में था।
- इसका दूसरा संस्करण 1871 ई. में प्रकाशित हुआ।
- इसमें कुल 738 कवियों का वर्णन है।
- हिन्दी के केवल 72 कवि है।
- हिन्दी के 72 कवियों वाले अंश का अनुवाद 1952 ई. में प्रयाग विश्वविद्यालय के हिन्दी प्रोफेसर लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय ने 'हिन्दुई साहित्य का इतिहास' नाम से किया।
- हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास।

02. शिव सिंह सैंगर के ग्रन्थ 'शिवसिंह सरोज' की रचना कब हुई थी?

(अ)1839 ई. (ब)1883 ई.
(स)1888 ई. (द)1884 ई. (ब)

- उत्तर- 1883 ई.
- प्रकाशन- नवल किशोर प्रेस, लखनऊ से।
- 'शिव सिंह सरोज' को हिन्दी साहित्य के इतिहास का 'प्रस्थान बिन्दु' कहा जाता है।
- आचार्य शुक्ल ने 'वृत्त संग्रह' कहा है।
- आधार ग्रंथ- कालिदास हजारा है।
- लगभग एक हजार कवियों का वर्णन।
- हिन्दी में लिखा जाने वाला हिन्दी का प्रथम इतिहास।

03. 'द् मॉर्डन वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' से संबंधित असंगत कथन है ?

(अ)इसकी रचना 1888 ई. में जार्ज ग्रियर्सन द्वारा की गई थी।
(ब)यह मूलत: अंग्रेजी भाषा का ग्रन्थ है।
(स)इसमें लगभग 863 कवियों का वर्णन है।
(द)इसमें भक्तिकाल को 'स्वर्णयुग' की संज्ञा दी गई है (स)

- उत्तर- इसमें लगभग 952 कवियों का वर्णन है।

विशेष :-

- आचार्य शुक्ल ने 'बड़ा कवि वृत्त संग्रह' कहा है।
- आधार ग्रंथ- तासी का इतिहास एवं शिव सिंह सेंगर का इतिहास के अतिरिक्त भक्तमाल व गोसाई चरित सहित 17 काव्य ग्रंथ।
- प्रथम बार कालविभाजन का प्रयास
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का 12 भागों में विभाजन।
- डॉ. किशोर लाल गुप्त- 'सर जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन हिन्दी साहित्य के प्रथम वास्तविक इतिहासकार है।
- प्रो. नलिन विलोचन शर्मा- 'हिन्दी के विधेयवादी साहित्येतिहास के आदिम प्रवर्तक शुक्ल जी नहीं, प्रत्युत ग्रियर्सन है।
- डॉ. किशोरी लाल गुप्त- 'यह हिन्दी साहित्य की नींव का वह पत्थर है जिस पर आचार्य शुक्ल ने अपने सुप्रसिद्ध इतिहास का भव्य भवन निर्मित किया।
- ग्रियर्सन ने इतिहास लेखन में सर्वाधिक सहायता 'शिव सिंह सरोज' से ली है। कुल 952 कवियों में 886 कवि 'शिव सिंह सरोज' से लिए है।
- एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की पत्रिका के विशेषांक के रूप में 1888 ई. में प्रकाशन व स्वतंत्र इतिहास ग्रन्थ के रूप में 1889 ई. में प्रकाशन।
- इसका हिन्दी अनुवाद 1957 ई. में किशोरी लाल गुप्त ने 'हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास' के नाम से किया।
- जॉर्ज ग्रियर्सन ने भाषाओं का सर्वेक्षण 'दि लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया' में किया जो अंग्रेजी भाषा में 11 जिल्दों में प्रकाशित है।
- जॉर्ज ग्रियर्सन ने भक्तिकाल के उदय का कारण 'ईसाइयत' को माना है।
- ग्रियर्सन ने बिहारी को यूरोप के तमाम कवियों से बेहतर माना है।
- ग्रियर्सन ने उर्दू को विदेशी भाषा माना है।
- इसमे केवल हिन्दी कवियों का वर्णन है।
- इसमें कवियों व लेखकों का कालक्रमानुसार वर्गीकरण करते हुए उनकी प्रवृत्तियों को भी बताने का प्रयास किया गया है।
- जार्ज ग्रियर्सन लिखते है कि ''मैं आधुनिक भाषा साहित्य का ही विवरण प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। अत:मै संस्कृत में ग्रन्थ रचना करने वाले लेखकों का विवरण नहीं दे रहा हूँ। प्राकृत में लिखी पुस्तकों को भी विचार के बाहर रख रहा हूँ।''
- मैं न तो अरबी-फारसी के भारतीय लेखकों का उल्लेख कर रहा हूँ और न ही विदेश से लायी गयी साहित्यिक उर्दू के लेखकों का ही-मैंने इन अंतिम को, उर्दू वालों को, अपने इस विचार से जानबूझ कर बहिष्कृत कर दिया है क्योंकि इन पर पहले ही गार्सा-द-तासी ने पूर्ण रूप से विचार कर लिया है।

(हिन्दी साहित्य का इतिहास- नगेन्द्र पृ. 27)

04. हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा 'बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्' के तत्त्वाधान में दिए गए पाँच व्याख्यानों का संग्रह है ?

SUNKUL मार्गदर्शन

(अ) हिन्दी साहित्य का आदिकाल
(ब) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास (स) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (द) हिन्दी साहित्य
(अ)

⇨ हिन्दी साहित्य का आदिकाल- हजारीप्रसाद द्विवेदी

05. आदिकाल के बारे में ऐसा किसने कहा कि ''शायद ही भारतवर्ष के साहित्य के इतिहास में इतने विरोधी और स्वतोव्याघातों का युग कभी आया होगा।''
(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब)हजारीप्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (द)शिवकुमार शर्मा (ब)

⇨ (संदर्भ- हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी पृ.सं. 09)

06. ''केवल नैतिक और धार्मिक या आध्यात्मिक उपदेशों को देखकर यदि हम ग्रंथों को साहित्य-सीमा से बाहर निकालने लगेंगे, तो हमें आदिकाव्य से भी हाथ धोना पड़ेगा, तुलसी-रामायण से भी अलग होना पड़ेगा, कबीर की रचनाओं को भी नमस्कार कर देना पड़ेगा और जायसी को भी दूर से दण्डवत् करके विदा कर देना होगा।'' उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है ?
(अ)डॉ. बच्चन सिंह (ब)डॉ. नगेन्द्र
(स)डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त (द)हजारीप्रसाद द्विवेदी (द)

⇨ (संदर्भ- हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी पृ.सं. 14)

07. हिन्दी साहित्य का 'आलोचनात्मक इतिहास' की रचना सात प्रकरण में हुई है। उनमें से एक नहीं है ?
(अ)पहला प्रकरण- संधिकाल (ब)दूसरा प्रकरण- चारणकाल
(स)छठा प्रकरण- कृष्णकाव्य (द)पाँचवां प्रकरण- प्रेमकाव्य (स)

⇨ छठा प्रकरण- रामकाव्य है।
⇨ सात प्रकरण- तीसरा प्रकरण-भक्तिकाल की अनुक्रमणिका, चौथा प्रकरण- भक्तिकाल, सातवाँ प्रकरण- कृष्णकाव्य
⇨ (संदर्भ- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा पृ.सं. 15)

08. हिन्दी साहित्य सम्मेलन की रिपोर्टों, मिश्रबंधु विनोद, शिवसिंह सरोज आदि ग्रन्थों की सहायता से 96 पृष्ठ की हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंध रखने वाली एक छोटी सी पुस्तिका 'हिन्दी' नाम से किसने लिखी ?
(अ)बदरीनाथ भट्ट (ब)मोहन अवस्ती
(स)सूर्यप्रसाद दीक्षित (द)हरदेव बाहरी (अ)

⇨ बदरीनाथ भट्ट
⇨ (संदर्भ- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा पृ.सं. 05)

09. 'हिन्दी के मुसलमान कवि' के रचयिता है ?
(अ)गौरीशंकर द्विवेदी (ब)गंगाप्रसाद सिंह
(स)कृष्णशंकर शुक्ल (द)रमाशंकर शुक्ल (ब)

⇨ गंगाप्रसाद सिंह
विशेष- सन् 1926 ई. में श्री अखौरी गंगाप्रसाद सिंह ने 'हिन्दी के मुसलमान कवि' नामक ग्रंथ में 152 मुसलमान कवियों का जीवन-चरित्र और काव्य-संग्रह का वर्णन किया है।
⇨ (संदर्भ- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा पृ.सं. 06)

10. पृथ्वीराज रासो को 'घटनाकोश' किसने कहा है ?
(अ) बाबू गुलाब राय (ब) रामचन्द्र शुक्ल
(स) डॉ. नगेन्द्र (द) डॉ. बच्चन सिंह (स)

⇨ डॉ. नगेन्द्र
विशेष:-
⇨ बाबू गुलाब राय - स्वाभाविक विकसनशील महाकाव्य
⇨ रामचन्द्र शुक्ल - हिन्दी का प्रथम महाकाव्य
⇨ डॉ. बच्चन सिंह - राजनीति की महाकाव्यात्मक त्रासदी

11. जॉर्ज ग्रियर्सन ने अपने हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधार ग्रन्थ के रूप में लगभग कितनी रचनाओं का संदर्भ दिया है ?
(अ) आठ (ब)बारह
(स) सत्रह (द)इक्कीस (स)

⇨ उत्तर- सत्रह

12. '' मैं इस्लाम के महत्त्व को भूल नहीं रहा हूँ, लेकिन जोर देकर कहना चाहता हूँ कि अगर इस्लाम न आया होता तो भी इस साहित्य का बारह आना वैसा ही होता, जैसा आज है।'' उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है ?
(अ)आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब)परशुराम चतुर्वेदी
(स) रामस्वरूप चतुर्वेदी (द)हजारी प्रसाद द्विवेदी (द)

⇨ उत्तर- हजारी प्रसाद द्विवेदी

13. डॉ. नगेन्द्र द्वारा सम्पादित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' कितने अध्याय में लिखा गया है ?
(अ)10 (ब)12
(स)17 (द)19 (स)

⇨ उत्तर- 17

14. ''हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की दीर्घपरम्परा में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का कार्य उसका वह मध्यवर्ती प्रकाश-स्तम्भ है, जिसके समक्ष सभी पूर्ववर्ती प्रयास आभाशून्य प्रतीत होते हैं तो साथ ही सभी परवर्ती प्रयास उसके आलोक से आलोकित है।'' उपर्युक्त कथन है ?
(अ)डॉ. नगेन्द्र (ब)आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स)डॉ.गणपति चन्द्र गुप्त (द)डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी (स)

⇨ उत्तर- डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त

15. डॉ. रामकुमार वर्मा द्वारा रचित 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' कितने प्रकरणों में विभक्त है?
(अ) 5 (ब) 7
(स) 9 (द) 8 (ब)

⇨ उत्तर- 7

16. नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा 'हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास' कितने भागों में प्रकाशित किया गया ?
(अ) 12 (ब) 16
(स) 18 (द) 21 (ब)

⇨ उत्तर- 16
विशेष :- नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा 1953 ई. में 18 खण्डों में प्रस्तावित व कुल 16 खण्डों में प्रकाशित 'हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास'।

17. 'पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास' के रचनाकार है ?

(अ) डॉ. टीकम सिंह तोमर (ब) श्री चंन्द्रकान्त बाली
(स) काशीनाथ खत्री (द) श्रद्धाराम फुल्लौरी (ब)

⇨ उत्तर- श्री चन्द्रकान्त बाली

18. आदिकाल के नामकरण से संबंधित कौन-सा विकल्प सही नहीं है ? (हिन्दी प्रतियोगी परीक्षा 01.11.2018)

(अ) ग्रियर्सन- चारण काल
(ब) राहुल सांकृत्यायन- सिद्ध सामंतकाल
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी- आदिकाल
(द) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- संधिकाल (द)

⇨ उत्तर-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने वीरकाल कहा है जबकि संधि काल रामकुमार वर्मा ने कहा है।

19. इनमें से कौन-सी रचना वीरगाथात्मक है? (हिन्दी प्रतियोगी परीक्षा 01.11.2018)

(अ) बीसलदेव रासो (ब) कीर्तिलता
(स) विद्यापति पदावली (द) खुसरो की पहेलियाँ (ब)

⇨ उत्तर- कीर्तिलता

विशेष:-बीसलदेव रासो विरह पद शैली में नरपति नाल्ह द्वारा रचित गीतिकाव्य है।
विद्यापति पदावली विद्यापति द्वारा रचित श्रृंगार रस प्रधान रचना है।
कीर्तिलता में राजकुमार कीर्ति सिंह के शौर्य का चार पल्लवों में चित्रण है।

20. इनमें से कौन-सी रचना आदिकाल के जैन साहित्य में सम्मिलित नहीं है ? (हिन्दी प्रतियोगी परीक्षा 01.11.2018)

(अ) वर्ण रत्नाकर (ब) भरतेश्वर बाहुबलि रास
(स) श्रावकाचार (द) चंदनबाला रस (अ)

⇨ उत्तर- वर्ण रत्नाकर

विशेष:- वर्ण रत्नाकर 14 वीं शती में ज्योतिरीश्वर ठाकुर द्वारा मैथिली भाषा में रचित है।
⇨ यह शब्दकोश की विशेषता से युक्त है।
⇨ इसका प्रकाशन सुनीतिकुमार चटर्जी और पं. बबुआ मिश्र के सम्पादन में बंगाल एशियाटिक सोसायटी से हो चुका है।

21. कवि स्वयंभू की कौनसी रचना अपूर्ण रह गयी थी ?

(अ) रिट्ठणेमिचरिउ (ब)स्वयंभूछंद
(स) पउमचरिउ (द)पंचमी चरिउ (स)

विशेष :- स्वयंभू की रचना अपूर्ण थी जिसे उनके पुत्र 'त्रिभुवन' ने पूर्ण किया था।

⇨ उत्तर- पउमचरिउ ।

22. आसगु कवि द्वारा 1200 ई . में रचित 'चन्दनबालारास' कितने छंदों का खण्डकाव्य है ?

(अ) 35 (ब) 250
(स) 85 (द) 80 (अ)

⇨ उत्तर- 35

23. 1231 ई. में रचित प्रमुख जैन ग्रन्थ 'रेवंतगिरिरास' के रचयिता है?

(अ) सुमतिगण (ब) विजयसेन सूरि
(स) आसगु (द) जिनधर्मसूरि (ब)

⇨ उत्तर- विजयसेन सूरि।

24. पृथ्वीराज रासो के संस्करण और उनमें निहित छंद का असंगत क्रम छाँटिए-

(अ) प्रथम संस्करण-16306 छंद
(ब) द्वितीय संस्करण-7000 छंद
(स) तृतीय संस्करण-3500 छंद
(द) चतुर्थ संस्करण-1800 छंद (द)

⇨ उत्तर- चतुर्थ संस्करण-1300 छंद है।

25. पृथ्वीराज रासो के संस्करण व जहाँ वे संग्रहालय में सुरक्षित है का असंगत क्रम है ?

(अ) प्रथम संस्करण- उदयपुर संग्रहालय
(ब) द्वितीय संस्करण- अबोहर व बीकानेर संग्रहालय
(स) तृतीय संस्करण- बीकानेर संग्रहालय
(द) चतुर्थ संस्करण- जयपुर संग्रहालय (द)

⇨ उत्तर- चतुर्थ संस्करण जयपुर संग्रहालय में नहीं है।

**26. ''रघुनाथ चरित हनुमन्त कृत, भूप भोज उद्धरिय जिमि।
प्रथिराज सुजस कवि चन्द्रकृत, चन्द नंद उद्धरिय तिमि।।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस महाकाव्य से उद्धृत है ?**

(अ) परमालरासो (ब) बीसलदेव रासो
(स) पृथ्वीराज रासो (द) खुमाण रासो (स)

⇨ उत्तर- पृथ्वीराज रासो।

27. आचार्य शुक्ल ने आदिकाल को वीरगाथा काल नाम देने के लिए कितनी रचनाओं का उल्लेख किया?

(अ) सात (ब) चार
(स) दस (द) बारह (द)

⇨ उत्तर- बारह

विशेष- 1. विजयपाल रासो- नल्लसिंह भट्ट 2. हम्मीर रासो- शारंगधर 3. कीर्तिलता- विद्यापति 4. कीर्ति पताका- विद्यापति 5. खुमाण रासो- दलपति विजय 6. बीसलदेव रासो- नरपति नाल्ह 7. पृथ्वीराज रासो चंदबरदाई 8. जयचन्द्र प्रकाश- भट्टकेदार, 9. जयमयंक जस चन्द्रिका- मधुकर कवि 10. परमाल रासो- जयनिक 11. अमीर खुसरो की पहेलिया- अमीर खुसरो 12. विद्यापति की पदावली- विद्यापति
1-4 सभी साहित्यिक पुस्तकें
5-12 देश भाषा काव्य की पुस्तकें
बीसलदेव विद्यापति पदावली व खुसरो की पहेलिया को छोड़कर शेष सभी रचनाएँ वीरगाथात्मक है।

28. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ग्रन्थ की 51 पृष्ठों की अति महत्त्वपूर्ण भूमिका के लेखक है ?

(अ) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (ब)डॉ. श्यामसुन्दर दास
(स) डॉ. वेंकट शर्मा (द)डॉ. बृजेश्वर (स)

⇨ उत्तर- डॉ० वेंकट शर्मा

29. सर्वसम्मति से हिन्दी साहित्य का प्रथम कवि किसे माना जाता है?

(अ) चन्दबरदाई (ब) देवसेन
(स) सरहपाद (द) पुष्य या पुण्ड (स)

⇨ सरहपाद

विशेष:-प्रथम कवि-

1. राहुल सांकृत्यायन	- सरहपाद
2. गणपतिचन्द्र गुप्त	- शालिभद्र सूरी
3. ठा. शिवसिंह सेंगर	- पुष्य या पुण्ड
4. मिश्र बंधु	- गोरखनाथ
5. रामकुमार वर्मा	- सरहपाद
6. रामकुमार वर्मा	- स्वयंभू(अपभ्रंश का प्रथम कवि)
7. हजारी प्रसाद द्विवेदी	- अब्दुर्रहमान

SUNKUL मार्गदर्शन

8. सर्वसम्मति से – सरहपाद
9. सर्वसम्मति से रचना – श्रावकाचार
10. बच्चन सिंह – विद्यापति
11. आचार्य शुक्ल – मुंज कवि
12. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – राजा मुंज
13. डॉ. वासुदेव सिंह – योगीन्दु मुनि
14. डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' – सरहपा

– आचार्य शुक्ल ने प्रथम महाकवि चन्दबरदाई को माना है।

30. 'सरहपाद' को हिन्दी का प्रथम कवि मानने वाले विद्वान इनमें से कौन हैं ? (व.अध्यापक परीक्षा- 2018, विशेष शिक्षा)

(अ) शिवसिंह सेंगर (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) गणपति चन्द्रगुप्त (द) नंद दुलारे वाजपेयी (ब)

⇨ उत्तर- राहुल सांकृत्यायन

विशेष:-

⇨ रोड़ा - राउलवेल (10 वीं शती)
⇨ पं. दामोदर शर्मा - उक्ति व्यक्ति प्रकरण (12 वीं शती) पांच प्रकरण
⇨ ज्योतिरीश्वर ठाकुर - वर्ण रत्नाकर (14 वीं शती) आठ कल्लोल

31. इनमें से कौन-सी रचना आदिकाल के गद्य साहित्य की नहीं है? (व.अध्यापक परीक्षा- 2018, विशेष शिक्षा)

(अ) वर्ण रत्नाकार (ब) राउलवेल
(स) श्रावकाचार (द) उक्तिव्यक्ति प्रकरण (स)

⇨ उत्तर- श्रावकाचार

32. 'रासो' शब्द की व्युत्पति के संबंध में असंगत छाँटिए ?

(अ) गार्सा-द-तासी - राजसूय से
(ब) रामचन्द्र शुक्ल - रसायण से
(स) हजारीप्रसाद द्विवेदी - रसिक से
(द) चन्द्रबली पाण्डेय - रासक से (स)

विशेष:-

रासक से - हजारी प्रसाद द्विवेदी, दशरथ शर्मा, नरोत्तम स्वामी आचार्य चन्द्रबली पाण्डेय, डॉ. माताप्रसाद गुप्त
रहस्य से - श्यामलदास, काशीप्रसाद जायसवाल
रास से - नंददुलारे वाजपेयी
राजयश से - हरप्रसाद शास्त्री, विंध्येश्वरी प्रसाद

बच्चन सिंह ने रासो की उत्पत्ति- रासह, रायण, रासु से मानी है।

33. आदिकालीन साहित्य से संबंधित इनमें से कौनसा कथन सही नहीं है ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) दोहा आदिकालीन अपभ्रंश साहित्य का प्रमुख छंद है।
(ब) दोहाकोशों और चर्यागीतों की भाषा-शैली में कोई अंतर नहीं है।
(स) चर्यापद एक प्रकार के गीत होते हैं जो सामान्यत: अनुष्ठान के समय गाए जाते हैं।
(द) आदिकालीन बौद्ध सिद्धों ने दोहाकोशों के साथ-साथ चर्यापदों की रचना भी की। (ब)

⇨ विशेष:- बच्चनानुसार- ''दोहाकोश की भाषा परिनिष्ठत अपभ्रंश व चर्यापद की भाषा अवहट या देशभाषा के मिश्रण से युक्त है। चर्यापदों में सिद्धों की अनुभूति और रहस्य भावना होती थी। चर्यापद संध्या भाषा के दृष्ट कूटों में लिखे गये थे। जिनके दूहरे अर्थ होते थे। चर्यापद गाने वालों को सिद्धाचार्य, योगीश्वर व अवधूत कहा जाता था।''

34. हिन्दी साहित्य का आरंभ 693 ई- से मानने वाले इतिहासकार इनमें से कौन है ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(स) रामकुमार वर्मा (द) डॉ. नगेन्द्र (स)

⇨ उत्तर- रामकुमार वर्मा।

विशेष:- रामचन्द्र शुक्ल- 993 ई. से
हजारी प्रसाद द्विवेदी- 1000 ई. से
डॉ. नगेन्द्र- सातवीं शती के मध्य से

35. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का प्रथम कवि इनमें से किसे माना है? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) पुष्य (ब) शालिभद्र सूरि
(स) कण्हपाद (द) सरहपाद (द)

⇨ उत्तर- सरहपाद।

36. डॉ- रामकुमार वर्मा ने हिन्दी साहित्य के आदिकाल (प्रारंभिक काल) को किस नाम/किन नामों से संबोधित किया है ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) प्रारंभिक काल संधिकाल (ब) आदिकाल, वीरकाल
(स) सिद्ध-सामंत काल (द) संधिकाल एवं चारण काल (द)

⇨ उत्तर- संधिकाल एवं चारण काल।

37. आदिकाल के कवि सरहपाद की काव्य परम्परा में विकसित नाथ पंथ के हठयोग का पल्लवन आगे चलकर इनमें से किस कवि में हुआ ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) जायसी (ब) तुलसी
(स) कबीर (द) देवसेन (स)

⇨ उत्तर- कबीर

38. ''बौद्धधर्म के सिद्धान्तों में देश की बदलती हुई परिस्थितियों ने जिन नवीन भावनाओं की सृष्टि की, उन्हीं के परिणाम स्वरूप सिद्ध साहित्य की रूपरेखा तैयार हुई।'' सिद्ध साहित्य के प्रादुर्भाव विषयक यह कथन इनमें से किसका है ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) रामकुमार वर्मा (ब) धीरेन्द्र वर्मा
(स) गणपतिचन्द्र गुप्त (द) मिश्र बंधु (अ)

⇨ उत्तर- रामकुमार वर्मा

39. नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित पृथ्वीराज रासों के संस्करण को प्रामाणिक मानने वाले विद्वान इनमें से कौन है ? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) कर्नल टॉड
(स) श्यामलदास (द) गौरीशंकर हीराचंद ओझा (ब)

⇨ उत्तर- कर्नल टॉड

40. 'भरतेश्वर बाहुबलि रास' इनमें से किस काव्य धारा का ग्रंथ है? (प्राध्यापक स्कूल शिक्षा परीक्षा 03.01.2020)

(अ) जैन साहित्य (ब) रासो साहित्य
(स) सिद्ध साहित्य (द) नाथ साहित्य (अ)

⇨ उत्तर-जैन साहित्य

41. ''जबकि प्रत्येक देश का साहित्य वहाँ की जनता की चितवृत्ति का

संचित प्रतिबिम्ब होता है तब यह निश्चय है कि जनता की चितवृत्ति के परिवर्तन के साथ-साथ साहित्य का रूप भी परिवर्तन होगा। आदि से अंत तक इन्हीं चितवृत्तियों की परम्परा को परखते हुए साहित्य परम्परा के साथ उनका सामंजस्य दिखाना साहित्य का इतिहास कहलाता है।''

उपर्युक्त कथन किस प्रसिद्ध साहित्यकार का है?

(अ) डॉ० रामकुमार वर्मा (ब) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

(स) आचार्य शुक्ल (द) हजारी प्रसाद द्विवेदी (स)

⇨ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

42. ''हेमचन्द्र ने अपने व्याकरण के उदाहरणों के लिए भट्टी के समान एक द्वयाश्रय काव्य के रूप में 'कुमारपाल चरित' की भी रचना की है।''

उपर्युक्त कथन किस प्रसिद्ध साहित्यकार का है?

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब)श्यामसुन्दर दास

(स) आचार्य शुक्ल (द)डॉ. रामकुमार वर्मा (स)

⇨ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

43. 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण ' में कितने प्रकरण है ?

(अ) 5 प्रकरण (ब)4 प्रकरण

(स) 3 प्रकरण (द)2 प्रकरण (अ)

⇨ 5 प्रकरण

विशेष:- बच्चन सिंह लिखते हैं कि- '' उक्ति व्यक्ति प्रकरण की रचना काशी कोशल नरेश महाराजा गोविन्दचन्द्र के सभापण्डित दामोदार भट्ट ने राजकुमारों के शिक्षार्थ इस ग्रन्थ का प्रणयन 12 वीं शताब्दी में किया था। प्रारम्भ में इस रचना का नाम 'उक्ति व्यक्ति' था लेकिन इस रचना के पाँच प्रकरणों में बंटे होने के कारण इसका नाम 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण' हो गया।''

सुनीतिकुमार चटर्जी ने- इसकी भाषा को प्राचीन कोसली (अवधी) कहा है।

44. ''शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली और इतना महिमान्वित भारतवर्ष में गोरखनाथ के सिवाय कोई दूसरा नहीं हुआ।'' यह किसने कहा है ?

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब)आचार्य शुक्ल

(स) गणपति चन्द्र गुप्त (द)डॉ० नगेन्द्र (अ)

⇨ हजारी प्रसाद द्विवेदी

45. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने जैन साहित्य का उल्लेख क्या दिखाने के लिए किया है ?

(अ) अपभ्रंश भाषा का व्यवहार कब से हो रहा था।

(ब) धार्मिक साहित्य सिद्ध करने के लिए।

(स) संत काव्य की भूमिका बाँधने के लिए।

(द) वीरगाथा काल नाम देने के लिए। (अ)

⇨ अपभ्रंश भाषा का व्यवहार कब से हो रहा था।

46. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' से संबंधित असंगत क्रम है -

(अ) इसकी रचना 1929 ई. में हुई थी।

(ब) यह इतिहास मूलत: हिन्दी नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी शब्द सागर' की भूमिका के रूप में 'हिन्दी साहित्य का विकास' नाम से लिखा गया था।

(स) इसके कवियों का परिचयात्मक विवरण मिश्रबंधु विनोद से लिया गया है।

(द) इसमें हिन्दी साहित्य के इतिहास को पाँच काल खण्डों में बाँटा गया है।

(द)

विशेष:- आचार्य शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के इतिहास को चार कालखण्डों में विभाजित किया है।

47. ''रीतिकाल के कवियों के परिचय लिखने में मैंने प्राय: 'मिश्रबंधु विनोद' से ही विवरण लिए हैं।'' यह कथन किसका है ?

(प्राध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2018)

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ब) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(स) राजकुमार वर्मा

(द) गणपतिचन्द्र गुप्त

(अ)

⇨ उत्तर-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

48. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन करने वाले प्रथम इतिहासकार हैं-

(प्राध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2018)

(अ) जॉर्ज ग्रियर्सन (ब) शिवसिंह सेंगर

(स) मिश्रबंधु (द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(अ)

⇨ उत्तर- जॉर्ज ग्रियर्सन

49. इनमें से कौन-सा तथ्य सही नहीं है ?

(प्राध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2018)

(अ) 'राउलवेल' में नायिका का नख-शिख वर्णन है।

(ब) 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण' एक व्याकरण ग्रंथ है।

(स) 'वर्णरत्नाकर' में काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का विवेचन है।

(द) 'वसंतविलास' में वसंत और स्त्रियों पर उसके विलासपूर्ण प्रभाव का चित्रण है।

(स)

⇨ उत्तर-'वर्णरत्नाकर' में काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का विवेचन है।

50. इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

(प्राध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2018)

(अ) जैन कवियों की रचनाएँ आचार, रास, फागु चरित आदि शैलियों में मिलती हैं।

(ब) सिद्धों की रचनाएँ प्रमुखत: दो काव्यरूपों दोहाकोश और चर्यापद में उपलब्ध हैं।

(स) नाथ सिद्धों की वाममार्गी भोगप्रधान योगसाधना के पक्षधर थे।

(द) वीरगाथाओं के रूप में लिखित रासो काव्य जैन रास काव्य से भिन्न है।

(स)

⇨ उत्तर-वास्तव में नाथ सिद्धों की वाममार्गी भोगप्रधान योगसाधना के पक्षधर नहीं थे।

SUNKUL मार्गदर्शन